

Centenary Celebration of Mysore Medical College and Research Institute

Mysore Medical College is the first and oldest medical college in the state of Karnataka. It was established in July 1924 by the then visionary King of Mysore, Sri Nalwadi Krishna Raja Wodeyar. The college was successful in imparting medical education of the highest standards. The doctors trained here were highly regarded everywhere. Encouraged by this, more and more medical colleges were opened in Karnataka, both by the Government and private institutions. Today, Karnataka is rightly called the Medical Education Hub with 67 medical colleges. But it all began with the excellence achieved in the field of medical education by one institution — Mysore Medical College.

Initially, 30 students were admitted to Mysore Medical College with the establishment of the Physiology and Anatomy departments. They were given clinical training at Krishna Rajendra Hospital and Cheluvamba Hospital, which function alongside the medical college. The then Superintendent of Krishna Rajendra Hospital, Dr. J. F. Robinson, was selected as the first Principal of Mysore Medical College.

The Mysore Medical College celebrated its Silver Jubilee in 1949, which was inaugurated by His Royal Highness Sri Jayachamarajendra Wadiyar and presided over by Dr. Lakshmana Swamy Mudaliar, Vice Chancellor of Madras University. Union Minister Dr. Amrit Kaur and many other distinguished personalities participated as guests of honor.

The Golden Jubilee of the college was celebrated under the chairmanship of Sri Srikantadatta Narasimharaja Wadiyar, icon of the Mysore royal dynasty, in 1974.

The Platinum Jubilee was celebrated on 15th December 1999, and to mark the occasion, an indoor auditorium was constructed.

The Mysore Medical College has sailed through a saga of 100 years. During this long journey, several outstanding personalities and members of the teaching staff have served this institution and brought out academic excellence from the students. Currently, in Mysore Medical College & Research Institute, there are 150 MBBS seats, 153 postgraduate seats, 01 Super Speciality (Plastic Surgery) postgraduate seat, 100 B.Sc. Nursing seats, 40 G.N.M. seats, 100 Paramedical seats and 50 B.Sc. Allied Health Science seats.

K.R. Hospital, Cheluvamba Hospital, PKTB & CD Hospital, P.K. Trauma Care Centre, and the P.K. Super Speciality Hospital are part of the Mysore Medical College & Research Institute.

Currently, the institution has 2,315 beds and caters to patients of Mysore District and the neighbouring four districts. The daily

average of outpatients is around 2,600, and the average of inpatients is 160. 70 surgeries are performed daily, 25 deliveries take place, and 50 dialysis procedures are conducted around the clock.

- Annually, 13,500 surgeries are performed.
- About 10,000 deliveries are conducted.
- Up to 9 lakh outpatients are treated annually.
- Up to 4.5 lakh inpatients are treated annually.

The Radiology, Pathology, Microbiology, and Biochemistry departments at the institute are equipped with cutting-edge, state-of-the-art diagnostic equipment that meets the highest standards in medical technology. These departments collectively perform a wide range of diagnostic procedures daily, including approximately 1,000 laboratory investigations, 350 X-rays, 200 ultrasound scans, and 100 CT scans. All these vital diagnostic services are made available round the clock, ensuring continuous support to clinicians and timely care for patients across departments

The institute is well equipped to handle health emergencies and pandemics like COVID-19, thanks to its robust infrastructure. This includes the installation of high-capacity liquid oxygen tanks to ensure uninterrupted oxygen supply during critical times, and the establishment of a state-of-the-art Genomic Sequencing Laboratory, which enhances its ability to detect, study, and respond to viral mutations and emerging health threats swiftly and effectively.

Mysore Medical College & Research Institute is the proud alma mater of more than 25,000 highly qualified, committed, and dedicated doctors who serve in every taluk of Karnataka, every state of India, and across the world. This institution with a glorious history completed its 100th year in 2024.

The Department of Posts is proud to release a commemorative postage stamp on Centenary Celebration of Mysore Medical College and Research Institute. This stamp recognizes the institution's outstanding contribution to medical education, research, and public healthcare in Karnataka and beyond. It stands as a tribute to generations of dedicated doctors and medical professionals shaped by the college and its enduring commitment to excellence in service of the nation.

Credits:

Stamp/FDC/Brochure/ : Ms. Anjali

Cancellation Cachet

Text : Referenced from content provided by Proponent.



डाक विभाग
DEPARTMENT OF POSTS



मेसूर मेडिकल कॉलेज एवं अनुसंधान संस्थान का शताब्दी समारोह
Centenary Celebration of Mysore Medical College and Research Institute

विवरणिका **BROCHURE**

मैसूर मेडिकल कॉलेज एवं अनुसंधान संस्थान का शताब्दी समारोह

‘मैसूर मेडिकल कॉलेज’, कर्नाटक का पहला और सबसे पुराना मेडिकल कॉलेज है। इसकी स्थापना जुलाई, 1924 में मैसूर के तत्कालीन दूरदर्शी सम्राट, श्री नलवाड़ी कृष्ण राजा वडयार ने की थी। इस कॉलेज ने चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट मानक स्थापित किए हैं। यहाँ से प्रशिक्षित चिकित्सकों ने सर्वत्र ख्याति अर्जित की। मैसूर मेडिकल कॉलेज की इस प्रतिष्ठा ने सरकार और निजी संस्थाओं, दोनों को, कर्नाटक में अधिक से अधिक मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए प्रोत्साहित किया। वर्तमान में, कर्नाटक में कुल 67 मेडिकल कॉलेज हैं। इसलिए कर्नाटक को चिकित्सा शिक्षा का केंद्र भी कहा जाता है। उल्लेखनीय है कि इस उपलब्धि में मैसूर मेडिकल कॉलेज द्वारा चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में हासिल की गई उत्कृष्टता का महत्वपूर्ण योगदान है।

प्रारंभ में, मैसूर मेडिकल कॉलेज में फिजियोलॉजी और एनेटॉमी विभाग की स्थापना कर 30 छात्रों को प्रवेश दिया गया। इन छात्रों को मैसूर मेडिकल कॉलेज से संबद्ध कृष्ण राजेंद्र अस्पताल और चेलुवम्बा अस्पताल में नैदानिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। ‘कृष्ण राजेंद्र अस्पताल’ के तत्कालीन सुपरिटेण्डेंट डॉ. जे.एफ. रॉबिन्सन, मैसूर मेडिकल कॉलेज के पहले प्रिंसिपल थे।

वर्ष 1949 में आयोजित मैसूर मेडिकल कॉलेज के रजत जयंती समारोह का उद्घाटन महामहिम श्री जयचामराजेंद्र वडयार ने और इसकी अध्यक्षता मद्रास विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. लक्ष्मण स्वामी मुदलियार ने की। इस समारोह में केंद्रीय मंत्री डॉ. अमृत कौर तथा कई अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

वर्ष 1974 में, मैसूर मेडिकल कॉलेज का ‘स्वर्ण जयंती’ समारोह मनाया गया। इस समारोह की अध्यक्षता मैसूर राजघराने के श्री श्रीकांतदत्त नरसिंहराज वडयार ने की।

मैसूर मेडिकल कॉलेज की प्लेटिनम जुबली 15 दिसंबर 1999 को मनाई गई और इस अवसर को यादगार बनाने के लिए यहां एक इंडोर ऑडिटोरियम का निर्माण किया गया।

मैसूर मेडिकल कॉलेज ने अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे कर लिए हैं। इस शानदार सफर के दौरान, अनेक प्रतिष्ठित हस्तियों और शिक्षकों ने अपनी सेवाएं देते हुए यहां के छात्रों की अकादमिक उत्कृष्टता को निखारा है। वर्तमान में, मैसूर मेडिकल कॉलेज एवं अनुसंधान संस्थान में 150 एमबीबीएस सीटें, 153 स्नातकोत्तर सीटें, 01 सुपर स्पेशियलिटी (प्लास्टिक सर्जरी) स्नातकोत्तर सीट, 100 बीएससी नर्सिंग सीटें, 40 जीएनएम सीटें, 100 पैरामेडिकल सीटें और 50 बीएससी एलाइड हेल्थ साइंस सीटें हैं।

के.आर. अस्पताल, चेलुवम्बा अस्पताल, पी.के.टी.बी. और सी.डी. अस्पताल, पी.के. ट्रॉमा केयर सेंटर और पी.के. सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल सभी मैसूर मेडिकल कॉलेज एवं अनुसंधान संस्थान का हिस्सा हैं।

वर्तमान में, 2,315 बिस्तरों वाली यह संस्था मैसूर और इसके आस-पास के चार जिलों में स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रही है। यहां प्रतिदिन औसतन 2,600

बाह्यरोगियों (आउटपेशेंट्स) और 160 अंतःरोगियों (इनपेशेंट्स) का उपचार किया जाता है। इसके अतिरिक्त, यहां प्रतिदिन लगभग 70 ऑपरेशन, 25 प्रसव, और 50 रोगियों का डायलिसिस किया जाता है। ये सभी सेवाएं चौबीसों घंटे उपलब्ध रहती हैं।

- प्रतिवर्ष 13,500 शल्य चिकित्साएं की जाती हैं।
- लगभग 10,000 प्रसव कराए जाते हैं।
- प्रतिवर्ष लगभग 9 लाख बाह्यरोगियों का उपचार किया जाता है।
- प्रतिवर्ष लगभग 4.5 लाख अंतःरोगियों का उपचार किया जाता है।

इस संस्थान के रेडियोलॉजी, पैथोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी और बायोकेमिस्ट्री विभाग चिकित्सा प्रौद्योगिकी के उच्चतम मानकों वाले उन्नत एवं अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक उपकरणों से लैस हैं। इन सभी विभागों में प्रतिदिन कुल मिलाकर लगभग 1,000 प्रयोगशाला परीक्षण, 350 एक्स—रे, 200 अल्ट्रासाउंड स्कैन और 100 सीटी स्कैन सहित विभिन्न प्रकार के नैदानिक परीक्षण किए जाते हैं। ये सभी महत्वपूर्ण डायग्नोस्टिक सेवाएं चौबीसों घंटे उपलब्ध कराई जाती हैं, जिससे चिकित्सकों को इलाज में मदद मिलती है और सभी विभागों में रोगियों की समय पर देखभाल हो पाती है।

मैसूर मेडिकल कॉलेज का इंफ्रास्ट्रक्चर अत्यंत सुदृढ़ है और यह स्वास्थ्य संबंधी आपात परिस्थितियों और कोविड—19 जैसी महामारियों को हैंडल करने में पूर्णतः सक्षम है। यहाँ उच्च क्षमता वाले तरल ऑक्सीजन टैंक स्थापित किए गए हैं जो जरूरत के समय ऑक्सीजन की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करते हैं। इसके अलावा, मैसूर मेडिकल कॉलेज में एक अत्याधुनिक जीनोमिक सीक्वेंसिंग प्रयोगशाला भी है, जो वायरल म्यूटेशन का पता लगाने, उनका अध्ययन करने और उनका उपचार ढूँढ कर उभरते स्वास्थ्य खतरों का शीघ्र एवं प्रभावी समाधान उपलब्ध कराने में सहायता करती है।

इस गौरवशाली संस्थान से प्रशिक्षित 25,000 से भी अधिक प्रतिभासंपन्न, प्रतिबद्ध और समर्पित चिकित्सक कर्नाटक के प्रत्येक तालुके, भारत के प्रत्येक राज्य तथा विश्वभर में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। अपने गौरवशाली इतिहास के लिए सुप्रसिद्ध इस संस्थान ने वर्ष 2024 में अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे कर लिए हैं।

डाक विभाग, मैसूर मेडिकल कॉलेज एवं अनुसंधान संस्थान के शताब्दी समारोह पर डाक—टिकट जारी करते हुए गर्व का अनुभव करता है। यह डाक—टिकट न केवल कर्नाटक में बल्कि देशभर में चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान और सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में इस संस्थान के उत्कृष्ट योगदान को रेखांकित करता है। यह डाक—टिकट, इस संस्थान से प्रशिक्षित चिकित्सकों एवं चिकित्सा पेशेवरों के प्रति सम्मान के साथ—साथ राष्ट्र सेवा के प्रति इस संस्थान की विरप्रतिबद्धता का भी प्रतीक है।

आभार :

डाक—टिकट/प्रथम दिवस आवरण/विवरणिका/विरूपण केशेपाठ : सुश्री अंजलि : प्रस्तावक द्वारा प्रदत्त सामग्री से संदर्भित

तकनीकी आंकड़े

TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग	: 500 पैसे
Denomination	: 500p
मुद्रितडाक—टिकटें	: 304050
Stamps Printed	: 304050
मुद्रण प्रक्रिया	: वेट ऑफसेट
Printing Process	: Wet Offset
मुद्रक	: प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	: Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at Philately Bureaus across India and online at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the Stamp, First Day Cover and Information Brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 15.00